Shri C. K. Bhattacharyya: May I know whether the driver of the car has been interrogated, and what statement has been secured from him, as is usually done in such cases?

Shri Ranga: Was he a Punjabi or a Maharashtrian?

Shri B. R. Bhagat: All these investigations are done by the State Government. The statement may be there, but we do not have the information.

Shri Ranga: You do not want to give it to us.

Shri Umanath: It was openly mentioned in the press that Shri Kairon was involved. I would like to know from the Government whether the investigation was directed against the possibility of Shri Kairon himself being involved; if not, is it because Shri Kairon was involved, that the investigation was not directed against him?

Shri T. T. Krishnamachari: The position is this. This a matter in which we are entirely dependent on the Punjab Government for information. All that the Punjab Government have told us is that the vehicle or truck that bears this name has been caught, carrying certain essential commodities without authorisation. Beyond that, we have no reply from the Punjab Government. Much as I realise that the hon. Members are anxious to know the details about it, I have not got the details.

Shri S. M. Banerjee: In respect of part (b) of the question, may I know whether it is also a fact that the truck or car with this number containing objectionable materials was captured near Rupar?

Shri T. T. Krishnamachari: We have information from the Punjab Government that the particular truck was caught carrying essential commodities without an authorisation. Beyond that, as I said, the Government have not got any information.

श्री द्वा० ना० तिवारी : क्या मैं जान सकता हूं कि मोटर वेहिकल्स ऐक्ट में या किसी कानून में ऐसी कोई धारा है कि जो आदमी अपनी गाड़ी बेच दे, किसी भी कुसूर के लिए वही जिम्मेदार हो ?

अध्यक्ष महोदय : यह सवाल आप ऐसा कर रहे हैं जिस का इस से सम्बन्ध नहीं है ।

श्री रामेश्वरानन्द : मैं जानना चाहता हूं कि जो ट्रक रोपड़ में पकड़ा गया था, उसी नम्बर का, वह प्रताप सिंह कैरों के किसी रिश्तेदार का था या उन के किसी यार-दोस्त का था ।

Shri T. T. Krishnamachari: My colleague has mentioned the name of the person to whom the truck belonged, and that is the information we have got from the Punjab Government. There is no point in asking for information which is not in my possession.

Shri D. C. Sharma: An officer from the Government of India was sent to Punjab to make follow-up enquiries regarding the Das Commission Report. May I know if some officer from Delhi will be associated with this enquiry, so that this enquiry becomes foolproof?

Shri T. T. Krishnamachari: I am not answering any question regarding the Das Commission Report.

Shri Ranga: Arising out of the question, can we not ask the Minister to send these questions put and answers given here today to the Punjab Government and ask them for further elucidation?

Mr. Speaker: We cannot ask that.

मेडिकल कालिजों में दाखिला

\+

*548. **श्री म० ला० द्विवेदी** :
श्री स० चं० सामन्त :
श्री सुबोध हंसदा :
श्रीमती सावित्री निगम :

क्या स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगी कि :

(क) क्या विभिन्न मेडिकल कालिजों में दाखिले के लिए पिछड़े क्षेत्रों के अभ्यर्थियों को कोई सुविधायें दी गई हैं तथा यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ;

(ख) क्या यह सच है कि मेडिकल कालिजों में दाखिले के मामले में नगरीय क्षेत्रों के अभ्यर्थियों को, पिछड़े क्षेत्रों के अभ्यर्थियों की अपेक्षा, मान्यता दी जाती है; और

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार अलग-अलग प्रतियोगी परीक्षा करने का अथवा पिछड़े क्षेत्रों के अभ्यर्थियों को परीक्षा में विशेष सुविधायें देने का है ?

स्वास्थ्य मंत्री (डा० सुशीला नायर) : (क) और (ख). पिछड़े क्षेत्रों के नाम से क्षेत्रों का कोई मान्यता-प्राप्त वर्गीकरण नहीं है, किन्तु असम, जम्मू और काश्मीर, मैसूर, उत्तर प्रदेश, पंजाब और केरल राज्यों में रिजर्वेशन है और वह इस प्रकार है :—

असम : 12 प्रतिशत पहाड़ी अनुसूचित जन जातियों के छात्रों के लिए;

10 प्रतिशत मैदानी क्षेत्रों के अनुसूचित जन जातियों के छात्रों के लिए ।

पंजाब : अमृतसर और रोहतक के मेडिकल कालेजों में 10 प्रतिशत सीटें पिछड़े क्षेत्रों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रहती हैं ।

उत्तर प्रदेश : आगरा के मेडिकल कालेज में 5 सीटें पहाड़ी क्षत्रों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रहती हैं और 4 सीटें उत्तराखण्ड डिविजन के उम्मीदवारों के लिए। मेडिकल कालेज, लखनऊ में 5 सीटें पहाड़ी क्षेत्रों, जिन में उत्तराखण्ड डिविजन सम्मिलित नहीं है, के लिए आरक्षित हैं ।

अन्य सभी कालेजों में, जहां तक ज्ञात है, पिछड़े क्षेत्रों के उम्मीदवारों के लिए कोई आरक्षित सीटें नहीं हैं । नगर क्षेत्रों के उम्मीदवारों को कोई प्राथमिकता नहीं दी जाती है; केवल हैदराबाद के उस्मानिया मेडिकल कालेज में 30 प्रतिशत सीटें हैदराबाद शहर के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित बतलाई गई है ।

(ग) मैडिकल कालेजों में दाखिला सर्वथा योग्यता के आधार पर दिया जाता है और जब कुछ राज्यों में उन्हें सविधायें देने के लिये सीटें आरक्षित की गई हैं तो यह उचित नहीं लगता कि उनके लिए अलग प्रतियोगी परीक्षाओं का आयोजन किया जाये । दाखिला सामान्यता प्री-मेडिकल अथवा इण्टरमीडिएट साइंस परीक्षाओं में प्राप्त अंकों के आधार पर दिया जाता है ।

श्री म० ला० द्विवेदी : क्या मंत्री महोदया को यह मालूम है कि शहरी क्षेत्रों के लड़के प्रतिस्पर्धी में देहाती क्षेत्रों के लड़कों से आगे निकल जाते हैं क्योंकि उन के साथ कुछ पक्षपात का व्यवहार या कुछ अन्य सुविधाएं रहती हैं पढ़ने, लिखने आदि की, तो शेष बालक जिन को समान अधिकार नौकरी प्राप्त करने का और कालिज में भरती होने का अधिकार प्राप्त है उनको भी विशेष सुविधा देने का प्रयत्न यह सरकार क्यों नहीं करती है ?

डा० सुशीला नायर : श्रीमन्, समान अवसर सब को दिया जाता है और मैं माननीय सदस्य की सेवा में यह भी निवेदन करना चाहती हूं कि डाक्टर जब ढूंढने जाते हैं तो शहर का लड़का डाक्टर बना है कि गांव का, अपनी जाति का या किसी और जाति का, यह कोई देखने नहीं जाता है । अच्छा डाक्टर ढूंढते हैं

Shri D. C. Sharma: Sir, on a point of order. She just now said that in Hyderabad 30 per cent are reserved for people belonging to Hyderabad. In other medical colleges seats are reserved for backward classes and there is a percentage reserved for others also. She says 'saman' opportunity, equal opportunity. How can she say that there is equal opportunity when she has herself given so many exceptions which are prevailing in the medical colleges in Hyderabad, in Punjab and in other places.

Mr. Speaker: That is all in accordance with the constitutional provisions.

श्री म० ला० द्विवेदी : मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या मंत्री महोदया को यह मालूम है कि देहाती क्षेत्रों के लड़के शहरी लड़कों के अधिक प्रतिभावान और योग्य होते हुए भी कई कारणों से वहां पर प्रतिस्पर्धा परीक्षाओं में उत्तीर्ण नहीं हो पाते, जब कि वे उन से अच्छे डाक्टर साबित हो सकते हैं तो भी देहाती क्षेत्रों के छात्रों के लिए सुविधा नहीं दी जाती; आखिर इस का क्या कारण है ?

डा० सुशीला नायर : हमारे पास कोई ऐसा मापदंड नहीं है जिससे कि हम उन की प्रतिभा माप सकें । हमारे पास जो मापदंड मौजूद है उसी मापदंड के अनुसार काम किया जा रहा है ।

श्री म० ला० द्विवेदी : क्या देहात में भी कोई कालिज आपने बनाया है ?

अध्यक्ष महोदय : आर्डर, आर्डर । श्रीमती सावित्री निगम ।

Shrimati Savitri Nigam: It has been quite obvious by the reply given by the Minister that different types of reservations are prevalent in different areas. May I know why a sort of a comprehensive plan is not chalked out to give the proper type of reservations of the same type to the backward classes?

Mr. Speaker: We should not enter into any arguments now; we should ask only for information.

Dr. Sushila Nayar: So far as the Government of India is concerned, our advice to the State Governments is very clear, that besides the constitutional reservations for the scheduled castes and tribes, all other admissions should be strictly in terms of merit.

Shrimati Savitri Nigam: Even for scheduled castes and tribes, sometimes it is 10 per cent and sometimes 15 per cent and so on.....

Mr. Speaker: It is becoming difficult. Shrimati Nigam's questions are not answered properly!

Shrimati Yashoda Reddy: Osmania University is a Central university. Has any information reached the Government of India that because of the reservation in the Osmania University for the mulkis, many children of the officers who have gone from Madras and other places after the States' reorganisation are not able to get admission in these colleges? Just because they are not *mulkis*, they do not have any other go. Is the Government prepared to do something for those people who are not *mulkis*?

Dr. Sushila Nayar: All that I can say is that the Osmania medical college was started under certain conditions by certain authorities and they made those reservations. Probably, there was some contribution, etc., also. 70 per cent seats are available for others in this college. Apart from that, there are seven other medical colleges in Andhra Pradesh; it is a higher proportion than in any other State of the Union and the boys can compete for the seats.

Some hon. Members *rose*—

Dr. Sarojini Mahishi *rose*—

Mr. Speaker: Ladies are confronting Dr. Sarojini Mahishi.

Dr. Sarojini Mahishi: From the point of view of economic and educational backwardness, now that all the women have been placed as backward by the Backward Classes Commission Report, may I know what percentage

of seats are being reserved for women in all the medical colleges?

Dr. Sushila Nayar: I am quite sure that the hon. Member does not agree that all women are backward. May I say that while some States had made 20 per cent reservation for women students, on their own merit, girls are getting admission up to 40 to 50 per cent and even more in many medical colleges?

श्री ओंकार लाल बेरवा : जैसा कि अभी मंत्री महोदया ने उत्तर प्रदेश, पंजाब आदि सभी राज्यों के मेडिकल कालिजों में पिछड़े क्षेत्रों के उम्मीदवारों के दाखिले के लिए कोटा बतलाया है, तो राजस्थान के मेडिकल कालिज में इस तरह का उन के वास्ते कोई कोटा न रखने का क्या कारण है ?

डा० सुशीला नायर : श्रीमन्, मुझे हर्ष है कि राजस्थान के लोग ज्यादा अच्छे तरीके से अपना सैलेक्शन करते हैं और इस किस्म के कोटे और रिज़रवेशन में नहीं पड़ते ।

Shri Kapur Singh: Are Government aware that the general demand for pursuing medical studies, as also engineering, far outstrips the facilities available in the country, particularly in the Punjab, and, if so, do Government propose to take any action in regard to that?

Dr. Sushila Nayar: It is proposed to have 30 more medical colleges in the Fourth Plan.

Shri Kapur Singh: How many in the Punjab?

Dr. Sushila Nayar: I am not in a position to say.

Shrimati Akkamma Devi: Keeping in mind the low percentage of literacy among women in general, and as there are brilliant girls is rural areas, may I know whether Government will allot a certain percentage of seats to girls from rural areas, district-wise?

Dr. Sushila Nayar: There is no proposal to do this

Shri Raghunath Singh: All seats should be reserved for ladies, I think!

Mr. Speaker: Next question.

जीवन बीमा निगम द्वारा विनियोजन

+

*549. { **श्री विभूति मिश्र :**
श्री क० ना० तिवारी :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) जीवन बीमा निगम ने बम्बई, कलकत्ता, मद्रास तथा दिल्ली में गैर-सरकारी क्षेत्र में कितना धन विनियोजित किया था यह निगम के कुल धन का कितना अंश है: और

(ख) क्या सरकार ने इसका ध्यान रखने की कोई योजना बनाई है कि निगम का धन देश के नगर तथा ग्रामीण क्षेत्रों की विकास परियोजनाओं में भी विनियोजित हो ?

योजना मंत्री (श्री ब० रा० भगत) : (क) —

नगर	31-3-1964 को लगी हुई रकम	कुल रकम का अनुपात
	(करोड़ रुपये)	(प्रतिशत)
बम्बई	36.68	4.16
कलकत्ता	30.63	3.48
मद्रास	2.68	0.31
दिल्ली	3.25	0.37
जोड़ .	73.25	8.32

(ख) जी, नहीं ।

श्री विभूति मिश्र : अभी मंत्री जी ने जो उत्तर दिया उससे मालूम होता है कि बीमा कम्पनी का जितना पैसा है यह चार बड़े